**मैं कौन हूँ?**

**मैं कौन हूँ?**

**क्या ये कोई सवाल है?**

**क्या ये विषय है किसी चिंतन का?**

**मैं, जो की एक आदमजात से मेल खाता हुआ**

**किसी मिट्टी के ढांचे जैसा हूँ।।**

**मैं जो जीता हूँ ख़ुद को ख़ुद में,**

**मैं जो जिंदगी में जिंदगी को ढूंढता हूँ।।**

**आखिर मैं कौन हूँ?**

**मैं एक शरीर हूँ क्या?**

**जो खत्म हो जाएगा एक दिन यूँ हीं,**

**मैं कोई अदृश्य आत्मा हूँ?**

**जिसके अस्तित्व पर भरोसा नहीं किया जा सकता।।**

**समंदर के अनवरत किनारे**

**जब जब रोक नहीं पाएंगे उग्र लहड़ों को,**

**जब तमाम पंछी बिना बात के चहचहाएंगे,**

**और जब उत्तरदायी होगा हर चीज के लिए मन,**

**उस वक़्त मिलेगा जवाब की कौन हूँ मैं?**

**मैं हूँ एक चंचल मन।**

**जिसको स्थिर होना नहीं आता।।**

**✍🏻विवेक कुमार "आनंद"**